other cases due to disconnection of power; and

(d) if so, whether Government propose to impress upon the State Government to take remedial steps to make the LIS a success in the State to fight out drought?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) Farmers of drought affected areas of Gujarat are being motivated by the State Government to take up Lift Irrigation Scheme through Participatory Irrigation Management.

(b) Lift Irrigation Shemes, generally having area greater than 100 ha. are taken up by the State Government. The beneficiary farmers are required to form Cooperative Societies prior to sanction of the schemes. Once the scheme is handed over to the Society, the work of operation and maintenance of it becomes the responsibility of the concerned society, which is run on "No profit - No Loss" basis.

(c) The State Government reported that the disconnection of power supply, due to non payment of electric dues by the Cooperative Society, is one of the problem experienced in proper operation of the Lift Irrigation Schemes.

(d) The State Government has been motivating Cooperative Societies to pay electric dues for proper functioning of Lift Irrigation Schemes. Union Government also advise the State Governments to ensure power supply to farmers for irrigation.

राजस्थान में भूमिगत जल-स्तर को ऊपर उठाया जाना

4124. **श्री ओंकार सिंह लखावत:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राजस्थान में वर्षा के अतिरिक्त पानी को भूतल में प्रवेश कराकर जल-स्तर को ऊपर उठाने की प्रणाली के संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार को चैन्नई में इस प्रकार के सफल प्रयोग की जानकारी है; यदि हां, तो क्या ऐसा प्रयोग राजस्थान एवं अन्य राज्यों में भी किया जाएगा?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) जी, हां। केन्द्रीय भू जल बोर्ड ने राजस्थान के झुंझुनू और अलवर जिलों में भूजल के स्तर को सुधारने के लिए अधिशेष वर्षा जल के जरिए भू जल पुनर्भरण के वास्ते व्यवहार्यता अध्ययन किए है। झुंझुनू जिले में, कृत्रिम पुनर्भरण के लिए जलभृतों के निर्धारण के वास्ते कन्तली नदी के आवाह में उप-सतही अवरोधों का निर्माण करने के लिए 3 स्थलों अर्थात् भागोली, मैनपुरा और मखोर का चयन किया है। अलवर जिले में, राजगढ़ के समीप करोथ नाला के आवाह में कृत्रिम पुनर्भरण के लिए उप-सतही अवरोधों का निर्माण करने के वास्ते व्यवहार्यता अध्ययन किए गए हैं। इसमें सतही अपवाह आकलन, जलभृत की पहचान, इनफिल्ट्रेशन जांच, जल भूरसायनिक विश्लेषण और स्थलों के चयन का अध्ययन शामिल हैं। चार ग्रेविटी हेड इन्वर्टेड कुओं सहित एक उप सतही अवरोधक का निर्माण किया गया है।

(ख) जी हां। तमिलनाडु में भू जल पुनर्भरण के लिए वर्षा जल को परकोलेशन टैंकों और चेक बांधों का निर्माण करके एकत्र किया जाता है। चेन्नई में वर्षा जल भी एकत्र किया जा रहा है जहां भवनों से शिखर वर्षा जल (रूप टाप रेन वाटर) को फिल्टर पिट्स के जरिए भूमि में भू जल पुनर्भरण के लिए बोरवेलों/खुदाई कुओं (डग वेल्स) में मोड़ दिया जाता है। चेन्नई में भू तल के साथ दो और तलों के भवनों के निर्माण को अनुमति देते समय रूफ टाप हारवेस्टिंग के प्रावधान को अनिवार्य कर दिया गया है। केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड महाराष्ट्र, कर्नाटक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और संघ शासित क्षेत्र चांडीगढ़ में भू जल के कृत्रिम पुनर्भरण में अध्ययन करने के लिए प्रायोगिक आधार पर केन्द्रीय क्षेत्र योजना का कार्यान्वयन कर रहा है जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और संघ शासित क्षेत्र चंडीगढ़ में शिखर वर्षा जल एकत्र (रूफ टाप रेन वाटर) करने संबंधी प्रयोग भी किए जा रहे हैं।

Unirrigated Land in Orissa

4125. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the PTIME MINISTER be pleased state:

(a) the total unirrigated land in Orissa by the end of Eighth Plan;

(b) the additional irrigation proposal to be provided in that State by the end of Ninth Plan;

(c) the major and medium irrigation projects likely to be completed in that State by the end of Ninth Plan; and

(d) the progress of those projects as on date?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) As per Land Use Statistics (LUS) brought out by the Ministry of